

प्रमाणित जाति बने रित जन जाति के उम्मीदवार भारा अपने दावे के समर्थ
में पेश किए गए वाले प्रमाण पत्र का पार्व

३०।) जनके प्रमाण पत्र का पार्व

१५/८/२०८५

प्रमाणित रिया जाता है कि श्री श्री श्री श्री श्री श्री
निवासो गोविल्लूर बालीगुड़ा जिला जालोर जाति/जन जाति में संलग्न
को है, जो निम्नलिखित दावें के रूपमें बन्नुविल जाति/बन्नुविल जाति बन्नुविल जन जाति
घोषित हो गई है।

- १ संविधानसंघनुसंचित जातियाँ बांद्रा 1950
- संविधान बन्नुविल जन जातियाँ बांद्रा 1950
- २ संविधान बन्नुविल जन जातियाँ लखनऊ जाति बन्नुविल बांद्रा 1951
- ३ बन्नुविल जातियाँ तथा बन्नुविल जन जातियाँ लोधन बांद्रा 1958
- ४ मर्वाई पुर्णगठन बधिनियम 1960 अधिनियम 1960 पंचांग-पर्वगठन अधिनियम 1966
- ५ हिमाकल प्रदेश साज्य पुर्वगठन अधिनियम 1976 और उत्तर पूर्वी लोक पुर्वगठन
अधिनियम 1971 तथा बन्नुविल जाति तथा बन्नुविल जन जाति बांद्रा लोधन
अधिनियम 1976 भारा वेद लोधित ।
- ६ संविधान बन्नुविल जन जातियाँ बांद्रा और 1960
- ७ संविधान जम्मु द के पोर्ट बन्नुविल जातियाँ बांद्रा 1960
- ८ संविधान दादरा व नार हकेन्द्र बन्नुविल जातियाँ बांद्रा 1962
- ९ संविधान बन्नुविल जातियाँ बांद्रा 1964
- १० बन्नुविल जन जातियाँ उत्तर प्रदेश बांद्रा 1968
- ११ संविधान गोवा दमण तथा १०४८ बन्नुविल जाति बांद्रा 1968
- १२ संविधान नागलेण्ड तक ५५४ बन्नुविल जाति बांद्रा 1978

यह प्रमाणित रिया जाता है कि श्री श्री श्री श्री श्री श्री
जन नाम - श्री
राज्य राजस्थान को - पटवारी - दृष्टि - राजिया - बुद्धि - के -
दिक्षे गये बन्नुविल जाति / बन्नुविल जन जाति - श्री श्री श्री श्री श्री श्री
पत्र के आधार पर जारा रिया गया है जो श्री श्री श्री श्री श्री
- श्री
राजस्थान राज्य में बन्नुविल जाति / बन्नुविल जन जाति घोषित रिया गया है।
निधारित प्रार्थकारों का नाम - देव नारस्यमामाम - देव नारस्यमामाम
भारा अपने पत्र लेखा - १८ - दिनांक १४/१८/१९८० - उन्नति शरी
रिया गया।

मार्ग राजीलाल -

राज्य - राजस्थान

दिनांक १४/१२/८५

बन्नुविल
इसलखार पत्र तोड़ने की है।